भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग

(पशुपालन सांख्यिकी विभाग)

प्रेस विज्ञप्ति

देश में पशुधन संगणना वर्ष 1919 में प्रारंभ हुई थी और तब से विभिन्न वर्गों की पशु प्रजातियों की गणना करने के लिए यह प्रत्येक 5 वर्षों में एक बार आयोजित की जा रही है। इस डाटा का प्रयोग नीति निर्माण तथा योजना और शोध गतिविधियों में होता है । 19वीं पशुधन संगणना सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की सहयागिता से वर्ष 2012 में आयोजित की गई थी । संगणना में देश के सभी गाँवों और नगरों/वार्डों को कवर किया गया था । डाटा की मात्रा को देखते हुए चुनिंदा राज्यों में डाटा इंट्री केन्द्रों की स्थापना करके 19वीं पशुधन संगणना का संकलन केंद्रीय स्तर पर किया गया था । राज्य सरकारों की सहायता से सघन रूप से डाटा वैधता की प्रक्रिया को पूरा किया गया तथा चालू वर्ष में प्रयोग के लिए त्रुटि रहित डाटा उपलब्ध कराया गया ।

19वीं पशुधन संगणना में पिछली संगणना वर्ष 2007 की तुलना में पशुधन जनसंख्या में समग्र रूप से 3.33% की गिरावट दिखाई देती है । यद्यपि कुछ राज्यों जैसे गुजरात (15.36%), उत्तर प्रदेश (14.01%), असम (10.77%), पंजाब (9.57%), बिहार (8.56%), सिक्किम (7.96), मेघालय (7.41%) तथा छतीसगढ़ (4.34%) की कुल पशुधन संख्या बढ़ी हुई पाई गयी।

दुधारू पशुओं (दूध देने वाले और दूध न देने वाले), गायें और भैंसे 6.75% की वृद्धि के साथ 111.09 मिलियन से बढ़कर 118.59 मिलियन हो गये हैं। दूध देने वाले पशुओं की संख्या 4.51% की वृद्धि दर्शाती हुई 77.04 मिलियन से बढ़कर 80.52 मिलियन हो गई है।

पिछली संगणना (2007) के मुकाबले मादा गोपशु (गायों) की जनसंख्या में 6.52% की वृद्धि हुई है तथा 2012 में मादा गोपशु की कुल संख्या 122.9 मिलियन है । मादा भैंसों की जनसंख्या में

भी पिछली संगणना से 7.99% की वृद्धि हुई है तथा वर्ष 2012 में मादा भैंसों की कुल संख्या 92.5 मिलियन है।

इसके अलावा, विदशी/संकर दुधारू गोपशु की संख्या 34.78% की वृद्धि दर्शाते हुए 14.4 मिलियन से बढ़कर 19.42 मिलियन हो गई है जहां देशी दुधारू गोपशु की संख्या 0.17% की वृद्धि के साथ 48.04 मिलियन से बढ़कर 48.12 मिलियन हो गई है । दुधारू भैंसों की संख्या पिछली संगणना के मुकाबले 4.95% की वृद्धि के साथ 48.64 मिलियन से बढ़कर 51.05 मिलियन हो गई है ।

कुक्कुट क्षेत्र ने भी पिछली संगणना की तुलना में 12.39% की अच्छी वृद्धि दिखाई है तथा वर्ष 2012 में देश में कुल कुक्कट की संख्या 729.2 मिलियन थी ।

.....